

## अमित शाह, नड्डा, रिजिजू के साथ ओम बिड़ला लोकसभा महासचिव के कार्यालय पहुंचे, अपना पर्चा दाखिल कराने

### कांग्रेस की ओर से केरल से आठ बार निर्वाचित सांसद के. सुरेश भी उम्मीदवार होंगे

—डॉ. सतीश मिश्रा—  
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—  
नई दिल्ली, 25 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ एन.डी.ए. गठबंधन ने आज एक तरह का इतिहास रचते हुए लोकसभा स्पीकर की नियुक्ति चुनाव के जरिए करवाने का विकल्प चुना। एन.डी.ए. ने लोकसभा स्पीकर पद के लिए कोई सर्वसम्मति बनाने के लिए विपक्ष को डैप्युटी स्पीकर का पद ऑफर करने के बजाए चुनाव का रास्ता चुना।

- पहली बार कड़ा संघर्ष होगा, लोकसभा अध्यक्ष के पद के लिए।
- सरकार ने संघर्ष होने की जिम्मेवारी विपक्ष पर डाली, यह कह कर कि, विपक्ष ने सर्वसम्मति से लोकसभा स्पीकर के चयन के लिए शर्त रखी थी, पर, इतने बड़े पद के लिये शर्तें लगाना उचित नहीं है, अतः सर्वसम्मति नहीं बन पायी।
- समय पूर्व राहुल गांधी व अखिलेश यादव ने कहा था कि, अगर सरकार डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को देने को तैयार हो जाती है तो स्पीकर के नाम पर सर्वसम्मति बन सकती है।
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इण्डिया गठबंधन से बातचीत कर रहे थे, सर्वसम्मति बनाने के लिये। विपक्ष ने घटनाक्रम पर टिप्पणी की कि, रक्षा मंत्री को अधिकार नहीं था कि, कुछ लिये-दिये की भावना से ऑफर करें, अतः सर्वसम्मति बनाने का प्रयास विफल रहा।
- इतिहास में पहली बार, स्पीकर के पद के लिये कड़ा संघर्ष वाला गंभीर चुनाव होगा, हालांकि, दो बार और इस पद पर प्रतीकात्मक चुनाव हुआ है।

कोटा के सांसद ओम बिड़ला ने एन.डी.ए. के सर्वसम्मति उम्मीदवार के रूप में लोकसभा स्पीकर पद के लिए नामांकन भरा। बिड़ला गत लोकसभा में भी स्पीकर रह चुके हैं।

कोटा के सांसद ओम बिड़ला ने एन.डी.ए. के सर्वसम्मति उम्मीदवार के रूप में लोकसभा स्पीकर पद के लिए नामांकन भरा। बिड़ला गत लोकसभा में भी स्पीकर रह चुके हैं।

कोटा के सांसद ओम बिड़ला ने एन.डी.ए. के सर्वसम्मति उम्मीदवार के रूप में लोकसभा स्पीकर पद के लिए नामांकन भरा। बिड़ला गत लोकसभा में भी स्पीकर रह चुके हैं।

## एग्री युनिवर्सिटी के स्ट्रॉग रूम से ओ.एम.आर. शीट गायब

जोधपुर, (कांस)। शहर के कृषि विश्वविद्यालय के स्ट्रॉग रूम से जूनियर एंट्रेंस टेस्ट (जे.ई.टी.) परीक्षा की ओ.एम.आर. शीट गायब हो गई। इस बारे में जे.ई.टी. जैट समन्वयक की तरफ से मंडोर थाने में केस दर्ज करवाया गया है। पुलिस ने इसकी जांच आरंभ कर दी है।

संयुक्त प्रवेश परीक्षा जैट का आयोजन दो जून को किया गया था तथा

## आंध्र प्रदेश ने अभी तक माफ नहीं किया है कांग्रेस को प्रदेश के विभाजन के लिये

आंध्र वासियों का मानना है कि, विभाजन के बाद आज भी आंध्र की अपनी राजधानी नहीं है, और सारे धंधे व व्यापार की दुर्गति हुई है

—लक्ष्मण बैंकट कुची—  
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—  
नई दिल्ली, 25 जून। आंध्र प्रदेश की जनता कांग्रेस से अभी तक इसलिए नाराज है क्योंकि उसने प्रदेश का बंटवारा किया था और इसे आर्थिक संकट में डाल दिया क्योंकि आई.टी. हब एवं औद्योगिक केंद्र हैदराबाद तेलंगाना को मिल गया और आंध्र को नुकसान हो गया। इसलिए जब से विभाजित आंध्र प्रदेश ने अपने प्रतिनिधियों को चुनना शुरू किया है उसने क्रोधवश कांग्रेस को नेस्तनाबूद कर दिया है।

- यह क्रोध ही कारण है कि, आंध्र में हाल ही में हुए लोकसभा व विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने धूल चाटी।
- कांग्रेस को "नोटा" विकल्प से कुछ ही ज्यादा मत प्राप्त हुए आंध्र में।
- पूर्व मु. मंत्री वाय.एस.आर. रेड्डी की बेटी शर्मिला भी आंध्र में कांग्रेस को कुछ "रिलीफ" नहीं दिला पायी है।
- प्रदेशाध्यक्ष शर्मिला को कांग्रेस के दयनीय प्रदर्शन के लिये जब जिम्मेवार ठहराया गया और इसके बारे में आलाकमान को पत्र लिखा तो शर्मिला ने शिकायत करने वाले प्रदेश कार्यालय में प्रवेश से वर्जित कर दिया तथा कांग्रेस को और उपहास का पात्र बनाया आंध्र प्रदेश में।

नोटा से कम वोट प्राप्त नहीं हुए, नोटा का प्रतिशत 1.09 तथा जबकि इसकी तुलना में कांग्रेस का वोट शेयर 1.72 प्रतिशत रहा है यह वोट प्रतिशत हाल ही में खत्म हुए लोकसभा चुनावों एवं प्रदेश की विधानसभा चुनावों के नतीजों में रहा है। इस स्थिति को देखा जाए तो यह तकनीकी रूप से इस बार 2019 के

नोटा से कम वोट प्राप्त नहीं हुए, नोटा का प्रतिशत 1.09 तथा जबकि इसकी तुलना में कांग्रेस का वोट शेयर 1.72 प्रतिशत रहा है यह वोट प्रतिशत हाल ही में खत्म हुए लोकसभा चुनावों एवं प्रदेश की विधानसभा चुनावों के नतीजों में रहा है। इस स्थिति को देखा जाए तो यह तकनीकी रूप से इस बार 2019 के

## इण्डिया गठबंधन नये सहयोगियों की तलाश में निकली

नवीन पटनायक की पार्टी बी.जे.डी. के बाद, आंध्र की वाय.एस.आर. कांग्रेस भी एन.डी.ए. से निराश होकर, नये ठिकाने (इण्डिया गठबंधन) की ओर देखने लगी है

—श्रीनंद झा—  
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—  
नई दिल्ली, 25 जून। बीजू जनता दल (बी.जे.डी.) अध्यक्ष नवीन पटनायक का यह निर्णय कि वे राज्यसभा में विपक्ष का समर्थन करेंगे, यह इस कड़ावत को चरितार्थ करता है कि राजनीति में कोई स्थायी मित्र अथवा दुश्मन नहीं होता है।

- बी.जे.डी. व वाय.एस.आर. कांग्रेस के ज्यादा सांसद नहीं हैं, लोकसभा में, पर, राज्यसभा में बी.जे.डी. के 9 सांसद व वाय.एस.आर. कांग्रेस के ग्यारह सदस्य हैं। अतः, कांग्रेस भी इन दोनों पार्टियों का राज्यसभा में सहयोग व समर्थन पाने के लिये काफी लालायित है।

है और विधानसभा में इस पार्टी के विधायकों की संख्या घटकर मात्र 58 रह गई है जबकि इसके विपरीत भाजपा में 78 विधानसभा सीटों पर विजय प्राप्त की थी और उसने वहां सरकार का गठन कर लिया। लेकिन संसद के उच्च सदन राज्यसभा में बी.जे.डी. के अभी नौ सांसद हैं।

मजबूत आवाज उठाएंगी और संसद में राज्य से संबंधित मुद्दों को तत्परता से उठाएंगी।

जयपुर, 25 जून। केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण ने छह साल पहले तीस जून को रिटायर हुए भारतीय वन सेवा के अधिकारी को एक वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ नहीं देने पर सरकार को

## विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांज रिहा हुए

12 साल तक लम्बी कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद उन्हें लंदन की हाई सिक््युरिटी जेल से रिहा किया गया

—अंजन राँय—  
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—  
नई दिल्ली, 25 जून। विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांज के लंदन की एक हाईसिक्युरिटी जेल से रिहा होने के साथ ही "प्रेस फ्रीडम" से संबंधित 21 वीं सदी का सबसे मशहूर कानूनी केस आज प्रकट रूप से समाप्त हो गया।

- असांज वर्ष 2017 में एकाएक सुरिखियों में आए जब उन्होंने अमेरिका के इरॉक युद्ध व अफगानिस्तान वॉर से संबंधित 5 लाख गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक कर दिए।
- इससे आग बबूला अमेरिका ने असांज की गिरफ्तारी और उसे अमेरिका के सुपर्द करने पर जोर दिया, इस अपराध के लिए अमेरिका में उन्हें 175 साल की सजा हो जाती।
- पर, दुनिया भर के मानवाधिकार एवं आजादी समर्थक संगठनों ने अमेरिका का विरोध किया।
- असांज ने लंदन के इक्वाडोर के दूतावास में शरण ली और यूरोपियन द्यूमन राइट्स लॉ के तहत अपील की। उनका केस अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रेस की आजादी के लिए संघर्ष का प्रतीक बन गया था।

असांज 12 वर्षों तक कैद में रहे। इस दौरान उन्होंने स्वयं को अमेरिका प्रत्यार्पित किए जाने के खिलाफ कानूनी लड़ाईयां भी लड़ीं। इन 12 वर्षों में से 7 वर्ष तो उन्होंने लंदन स्थित इक्वेडोर दूतावास में बिताए और 5 साल ब्रिटेन की एक हाईसिक्युरिटी जेल में।

अमेरिका अपने गुप्त सैन्य दस्तावेजों के प्रकाशन को लेकर असांज को अपने यहां प्रत्यर्पित करवाना चाहता था। असांज ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासी हैं। जूलियन असांज ने इराक और अफगानिस्तान में अमेरिकी युद्धों से संबंधित 5 लाख गुप्त दस्तावेजों का प्रकाशन किया था। इन दस्तावेजों के

सर्वजनिक हो जाने के बाद अमेरिका के आचरण को लेकर भारी विवाद छिड़ गया था और असांज ने दावे से कहा था कि "इससे साबित होता है कि अमेरिका ने युद्ध अपराध किए हैं।"

प्रधानमंत्री मोदी अगले महीने रूस की यात्रा पर जायेंगे

नई दिल्ली, 25 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले महीने रूस की यात्रा पर जा सकते हैं। खुद रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय ने इसकी जानकारी दी है। क्रेमलिन ने मंगलवार को घोषणा की कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले महीने रूस की यात्रा पर जाने वाले हैं। व्लादीमिर पुतिन के विदेश मामलों के सहयोगी यूरी उशाकोव ने कहा कि, भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा की तैयारी की जा रही है, लेकिन उन्होंने कोई तारीख नहीं बताई। अगर दौरा होता है तो

रूस के राष्ट्रपति कार्यालय ने जानकारी देते हुये बताया कि, प्र. मंत्री मोदी की रूस यात्रा की तैयारी शुरु हो चुकी है।

करीब पांच वर्षों में भारतीय प्रधानमंत्री का यह पहला रूस दौरा होगा। मोदी ने सितंबर 2019 में रूस का दौरा किया था। उशाकोव ने कहा कि तारीख की घोषणा बाद में संयुक्त रूप से की जाएगी। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी की संभावित यात्रा पर भारतीय पक्ष की ओर से कोई पुष्टि नहीं की गई है। पीएम मोदी आखिरी बार 2019 में रूस के दौरा पर गए थे। हालांकि अब पीएम मोदी की

## मु.मंत्री भजनलाल ने राजस्थान इन्वैस्टमेंट समिट की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की

जयपुर, 25 जून (का.सं.)। मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्थान इन्वैस्टमेंट समिट-2024, की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि, राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार निवेशकों के लिए हर स्तर पर मदद कर अनुकूल वातावरण तैयार करेगी जिससे देश-विदेश से अधिकतम निवेश राज्य में आए तथा राजस्थान देश में सबसे बड़े "इन्वैस्टमेंट हब" के रूप में उभरे।

मु.मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि, समिट में होने वाले विभिन्न एम.ओ.यू. को केवल कागजों तक सीमित न रखा जाए अमल में लाया जाए

समन्वय के साथ इस आयोजन का भव्य क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि, समिट में आने वाले निवेशकों के आतिथ्य सत्कार में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि, प्रचार-प्रसार किसी भी आयोजन की सफलता का मुख्य आधार होता है। अधिकारी प्रचार-प्रसार के लिए बेहतरीन कार्ययोजना बनाएं जिससे वैश्विक स्तर पर यह आयोजन चर्चा का विषय बने।

शर्मा ने कहा कि, सभी उद्योगों को एक ही छत के नीचे निवेश संबंधी सभी प्रकार की सुविधाएं देने के लिए सिंगल विंडो का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। सिंगल विंडो के लिए विभाग द्वारा अलग से पूरा सिस्टम तैयार किया जाए जिससे उद्योगों को निवेश में किसी भी तरह की समस्या का सामना

मुख्यमंत्री ने कहा कि, हमारे राजस्थान को देश के सबसे बड़े इन्वैस्टमेंट हब के रूप में उभारना है और इसके लिए निवेश को एक ही छत के नीचे सभी सुविधाएं दी जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि, राजस्थान इन्वैस्टमेंट समिट-2024, का भारी प्रचार किया जाए, क्योंकि, प्रचार प्रसार ही आयोजन की सफलता का मुख्य आधार होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, समिट में प्रवासी राजस्थानियों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए, उनके लिए अलग से सत्र आयोजित हों जिससे वे अपने राज्य में निवेश कर राज्य को औद्योगिक रूप से समृद्ध बनाने में अपनी महती भूमिका निभा सकें।

केजरीवाल को सी.बी.आई ने तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, 25 जून। दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को

सी.बी.आई. ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल की जमानत याचिका से एक दिन पहले उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। मंगलवार को तिहाड़ जेल में ही सी.बी.आई. ने केजरीवाल से पूछताछ की और तभी उन्हें गिरफ्तार करने का फैसला लिया।

सी.बी.आई. ने तिहाड़ जेल से गिरफ्तार कर लिया है। ई.डी. मामले में सुप्रीम कोर्ट में उनकी जमानत याचिका पर

मु.मंत्री भजनलाल शर्मा ने सी.एम. ऑफिस में राजस्थान इन्वैस्टमेंट समिट-2024 की तैयारियों के संदर्भ में आयोजित समीक्षा बैठक में उच्च अधिकारियों से बातचीत की।